Payment of Wages to Workers and staff of Rohtas Industries, Bihar

1639. SHRI ASHWANI KUMAR:

f> SHRJ S. W. DHABE:

Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) since t<ow long wages and bonus amounts have not been paid to me •workers and staff by the Rohtas Industries of Bihar; and

(b) what sleps are being taken by Government so that workers and staff are paid their wages, etc.?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF LABOUR (SHRI T. ANJALAH): (a) According to information received from the Government of Bihar the Units of Rohtas Industries limited, Bihar remain closed from the 9th July, 1984 and wage$_s$ and salaries due to workers and staff have not been paid for the months of May and June, 1984. Bonu$_s$ payment for the years 1981-82, 1982-83 and 1983-84 have also not been paid.

(b) The State Labour Department has • filed claims against the management in respect of wage dues for the month of May 1984. Similar action is being taken to file claims in respect of dues relating to June 1984 prosecution cases have been filed against the management for non-payment of bonus for the years in question.

Assistance to State$_s$

1640. SHRI M. BASAVARAJU: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Government propose to revise its policy for providing assistance to the States during the Seventh Plan period; *

(b) whether any Committee has been appointed by Government for this purpose; and

(c) if so, what are the details in this regard and what is its terms of reference?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHAN POOJARI): ($_a$) No, Sir.

(b) No, Sir*.

(c) Does not arise.

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन संबंधी साहित्य का प्रकाशन

1641 श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या संसदीय कार्य और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पर्यटन संबंधी साहित्य की हिन्दी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराने के लिए क्या व्यवस्था की गई है ;

(ख) क्या उनके मंत्रालय ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं में एक पत्रिका प्रकाशित कराने का निर्णय किया है, यदि हां, तो इस पत्रिका का नाम क्या है ; और

(ग) पर्यटन संबंधी साहित्य का उपयुक्त प्रकाशन करने के लिए और इस प्रयोजन हेतु स्टाफ की नियुक्ति करने के लिय क्या कदम उठाये जा रहे हैं।

संसदीय कार्य और पर्यटन मंत्री (श्री एच० के० एल० भगत) : (क) पर्यटन विभाग के पर्यटक साहित्य के 10 शीर्षक और कई रिपोर्ट प्रकाशन हिंदी में उपलब्ध हैं।

(ख) पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये द्विभाषिक हिंदी अंग्रेजी में एक पत्रिका के प्रकाशन का प्रस्ताव विभाग के विचाराधीन है।

(ग) पर्यटक साहित्य की प्रिंटिंग की क्वालिटी में सुधार लाने के लिये पर्यटन विभाग के पास 1985–86 से नौ अभिकरणों (एजेंसियों) का एक पैनल है जो इस समय पर्यटक साहित्य के प्रकाशन का काय कर रही है।